असली शोध 'हमें जो नहीं पता है' उसे खोजने में है

सीआईएमपी में बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी पर कांफ्रेंस में बोले विशेषज्ञ, देश विदेश से दो दर्जन से अधिक एक्सपर्ट ले रहे हैं हिस्सा

सिटी रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी) में शुक्रवार को व्यापार अनुसंधान और नीति पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसमें भारत और विदेशों से करीब दो दर्जन से अधिक शिक्षाविद, शोधकर्ता और प्रोफेशनल्स ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। उद्घाटन करते हुए सीआईएमपी के निदेशक डॉ. मुकुंद दास ने शिक्षाविदों के बीच रिसर्च क्वालिफिकेशन को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दुबई इलेक्ट्रिसिटी एंड वाटर अथॉरिटी (डीवाईयूए) के सीनियर मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट डॉ. अद्वैत गोविंद मेनन ने कहा कि असली शोध हमें जो पहले से पता है उसे आगे बढ़ाने में नहीं है, बल्कि हमें जो नहीं पता है उसे पता लगाने में है। डॉ. गोविंद ने व्यक्तिगत और संस्थान के मूल्यों की चर्चा की। शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं में आईआईएम इंदौर, आईआईटी खड़गपुर, ग्वाडलाजारा विश्वविद्यालय मेक्सिको, विनोना स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए), गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एनआईटी दुर्गापुर, एनआईटी पटना, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, केआईआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बिहार सरकार के प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

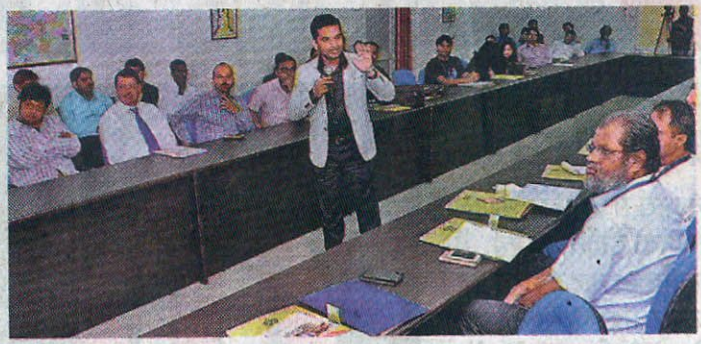

Dainik Bhaskar ! Page.No-20 ! Dated:17-03-2018

25 papers presented at CIMP nat'l conference

Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) organised the second International Conference on Business Research and Policy (ICBRP) on its campus, Friday. Over 25 research papers by academicians, researchers and professionals from across the country and abroad were presented. The presenters were drawn from various institutions such as IIM Indore, IIT Kharagpur, University of Guadalajara (México), Winona State University (USA), Central University of Gujarat, Central University of Rajasthan, University of Hyderabad, MNNIT Allahabad, NIT Durgapur, NIT Patna, Guru Govind Singh Indraparastha University, KIIT School of Management, Central Bank of India, Reliance Industries, Bihar government.

Mukunda Das, CIMP director, underlined the need to inculcate interest in research among scholars, which could have far-reaching impact not only for the business world and academia but also for society at large. He invited the participants for research collaboration with CIMP.

Adwaita Govind Menon, senior management specialist, Dubai Electricity and Water Authority (DEWA) was also present.

Hindustan Times ! Page.NO-03 ! Dated:17-03-2018

CIMP: Pace of change unfathomable

PATNA : Senior management specialist of Dubai Electricity and Water Authority Adwaita Govind Menon said here on Friday that the pace of change around the world was unfathomable while the human understanding was limited, and the research lied not in expanding what we already knew but in exploring the unknown path. He was giving the keynote address at the inaugural session of 2nd International Conference on Business Research and Policy that was held at the Chnadragupta Institute of Management Patna (CIMP).

He stressed the need for continuous research in all the areas, especially in the field of business and management, citing various international examples like Tesla's innovative feat in the aftermath of Puerto Rico hurricane.

He also pointed out the Tesla Semis innovation in the fully automated transportation. He further said that research of any kind or size, be it small or big, was helpful and important and significant in knowledge enhancement.

While concluding his keynote address, Govind said, "The value of a value is in how it helps to helps you to reconcile a dilemma." With these concluding lines he praised the courage shown by the Taj Mahal Hotel employees of 26/11 Mumbai terror attack in which the employees instead of saving their own lives cared about the lives of the customers who were trapped in the hotel.

CIMP director Mukunda Das in his inaugural address underlined the importance of research in the field of management and thus he urged the academicians to develop research aptitude that could have far reaching impact not only in the field of business and academia but the society at large would be the ultimate beneficiary in the case. The CIMP director also invited the academicians to conduct research work in collaboration with the institute.

Over two dozen academicians and research scholars from the country and abroad had descended at CIMP for the conference.

The participants were from institutes like IIM Indore, IIT Kharagpur, University of Gaudalajara (Mexico), Winona State University (USA), Central University of Gujarat, University of Rajasthan, University of Hyderabad, National Institute of Technology of Patna, Durgapur and Allahabad, Guru Gobind Singh Indraprastha University, KIIT School of Management, Central Bank of India, Reliance Industries and government of Bihar.

Morning India !
Page.No-03
Dated:17-03-2018

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार बिजनेस रिसर्च एंड पॉलिसी पर कॉन्फ्रेंस में बोले विशेषज्ञ

अपने मूल्यों से ही होती है दुविधा सुलझाने में मदद

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

हमारे चारों ओर परिवर्तन की गति अथाह है. मानव जाति की समझ हम जो जानते हैं, उससे सीमित है. असली शोध हमें जो पहले से पता है, उसे आगे बढ़ाने में नहीं है, बल्कि हमें जो नहीं पता है, उसे खोजने और पता लगाने में है. यह बात दुबई इलेक्ट्रिसिटी एंड वाटर अथॉरिटी के सीनियर मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट डॉ अद्वैत गोविंद मेनन ने शुक्रवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना में व्यापार अनुसंधान और नीति (आईसीबीआरपी) पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में कही. इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो वी. मुकुंद दास, फैकल्टी, कर्मी व छात्र उपस्थित थे.

कई बातों का दिया उदाहरण

श्री मेनन ने टेस्ला कंपनी के इनोवेशन जैसे हाइपरलूप, बिजली से चलने वाली कार, बोरिंग कंपनी की जमीन के अंदर यातायात को सुगम बनाने वाली सुरंग, स्पेस एक्स-फाल्कन 9 (पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष-यान) जैसे उदाहरणों को पेश किया. उन्होंने रेखांकित किया कि इन सभी नवाचारों के बीच जो आम था, वह था विद्यमान सिद्धांतों, प्रणालियों, कानूनों, संभावनाओं को चुनौती देना और इससे परे सोच रखना. उन्होंने अपने संबोधन में यह निष्कर्ष निकाला कि कैसे व्यक्तिगत और संस्थान के मूल्यों के वजह से 26/11 आतंकी हमले के दौरान ताज महल पैलेस, मुंबई के कर्मचारियों द्वारा अतुलनीय मूल्य प्रणाली का अनुकरणीय प्रदर्शन किया गया और एक दुविधा की स्थिति में सामंजस्य को स्थापित किया गया. केवल अपने मूल्यों के वजह से ताज के कर्मचारियों ने अपने स्वयं के जीवन को बचाने की बजाय, अपने अतिथियों के जीवन को बचाने के लिए उन्हें विभिन्न निकास के माध्यम से होटल से बाहर निकालना सुनिश्चित किया. यह तभी संभव है, क्योंकि ताज समूह अपने कर्मचारियों की भर्ती करते समय उनके मूल्यों को मुख्य महत्व देता है.

अपनी योग्यता को करें विकसित

आयोजन को संबोधित करते हुए प्रो वी मुकुंद दास ने कहा कि शिक्षाविदों के बीच अनुसंधान योग्यता को विकसित करने की आवश्यकता है. जो न केवल व्यापार और शिक्षा के लिए बल्कि बड़े पैमाने पर समाज के लिए बड़े नतीजों तक पहुंचा सकते हैं. उन्होंने प्रतिभागियों को सीआईएमपी के शोधकर्ताओं के साथ परस्पर अनुसंधान सहयोग के लिए आमंत्रित किया. इन शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं में आईआईएम इंदौर, आईआईटी खड़गपुर, ग्वाडलाजारा विश्वविद्यालय मेक्सिको, विनोना स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरु राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एनआईटी दुर्गापुर, एनआईटी पटना, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बिहार सरकार के प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे.

Prabhat Khabar ! Page.No-10 ! Dated:17-03-2018

जो नहीं पता उसकी खोज करना ही असली शोध

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) में शनिवार को व्यापार, अनुसंधान और नीति (आईसीबीआरपी) पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें भारत और विदेशों से दो दर्जन से अधिक अनुसंधान शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये जिनमें आईआईएम इंदौर, आईआईटी खड़गपुर, ग्वाडलाजारा विश्वविद्यालय मेक्सिको, विनोना स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, एनआईटी दुर्गापुर, एनआईटी पटना, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, आईआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बिहार सरकार के प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

उद्घाटन भाषण में संस्थान के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने शिक्षाविदों के बीच अनुसंधान योग्यता को विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सीआईएमपी के शोधकर्ताओं के साथ परस्पर अनुसंधान सहयोग के लिए आमंत्रित किया। अपने मुख्य भाषण में, दुबई

सीआईएमपी में हुए सेमिनार में बोले डीवाईयूए के सीनियर मैनेजमेंट-स्पेशलिस्ट

इलेक्ट्रिसिटी एंड वाटर ऑथोरिटी (डीवाईयूए) के सीनियर मैनेजमेंट स्पेशलिस्ट डॉ. अद्वैत गोविंद मेनन ने कहा कि हमारे चारों ओर परिवर्तन की गति अथाह है। उन्होंने इस तथ्य के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की कि मानव जाति की समझ हम जो जानते हैं, उससे सीमित है। उन्होंने कहा कि असली शोध हमें जो पहले से पता है उसे आगे बढ़ाने में नहीं है, बल्कि हमें जो नहीं पता है उसे खोजने और पता लगाने में है। उन्होंने रेखांकित किया कि इन सभी नवाचारों के बीच जो आम था विद्यमान सिद्धांतों, प्रणालियों, कानूनों, संभावनाओं को चुनौती देना और इससे परे सोच रखना। डॉ. गोविंद ने निष्कर्ष निकाला कि कैसे व्यक्तिगत और संस्थान के मूल्यों की वजह से 26/11 आतंकी हमले के दौरान होटल ताज, मुंबई में कर्मचारियों द्वारा अतुलनीय मूल्य प्रणाली का अनुकरणीय प्रदर्शन किया और एक दुविधा की स्थिति में सामंजस्य स्थापित किया। अपने मूल्यों की वजह से ताज के कर्मचारियों ने खुद का जीवन बचाने की बजाय अतिथियों का जीवन बचाने के लिए उन्हें विभिन्न निकास के माध्यमों से होटल से बाहर निकाला।

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना में आयोजित सेमिनार में मौजूद अतिथि।

Rashtriya Sahara ! Page.No-5
Dated:17-03-2018

14 papers presented at CIMP's int'l conf

TIMES NEWS NETWORK

Patna: At least 14 researchers presented their papers at the second International Conference on Business Research and Policy (ICBRP) organised by Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) on Friday.

The programme was inaugurated by Dubai Electricity and Water Authority's senior management specialist Adwaita Govind Menon.

Pramod Sharma

Students at an international conference on CIMP's Mithapur campus on Friday

CAMPUS NOTES

Addressing the gathering, he said, "Real research lies not in furthering what we know, but exploring and finding what we do not know."

Researchers from IIM-Indore, IIT-Kharagpur, University of Guadalajara-Mexico, Winona State University-USA, Central University of Gujarat, Central University of Rajasthan, University of Hyderabad, NIT-Allahabad, NIT-Durgapur, NIT-Patna, Guru Gobind Singh Indraprastha University and KIIT School of Management participated in the conference.

Lecture organised: A lecture on 'Land, State Capacity and Colonialism' was organized by the department of economics at College of Commerce, Arts and Science on Friday.

Key speaker Alexander Lee from the University of Rochester-USA pointed out that post-colonial India, particularly the eastern states were reeling under backwardness.

College principal Tapan kumar Shandilya said India's main problems were inflation and poverty.

Times of India ! Page.NO-02 ! Dated:17-03-2018